

कृतुः *die Lebensjahre* Spr. 3251. नासां वयसि निश्चयः (संस्थितिः) 1361. 1647. तुल्यशीलवयोयुक्ता MBh. 3, 2677. 2801. तुल्य° Pār. Grh. 3, 8. समान° Bhāg. P. 3, 13, 27. तद्वयस् *in demselben Alter stehend* Kātj. Çr. 25, 9, 1. वयस्त्रिविधं बालं मध्यं वृद्धम् Suçr. 1, 129, 1. वयसि तेषां स्तनपानबाल्य-त्रतस्थिता यौवनमध्यवृद्धाः । अतीव वृद्धा इति Varāh. Brh. S. 96, 17. M. 4, 18. Spr. 4993. 4997. Çānt. 1, 23. Suçr. 1, 124, 9. Kām. Nitīs. 4, 6. न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते Kumāras. 5, 16. Varāh. Brh. 26 (24). 2. व्यतीत-पञ्चवर्षी ऽपि वयसा वत बुद्धिमान् Kathās. 14, 45. द्वादशाब्दश्च च वयसा 124, 204. वयःशतम् Bhāg. P. 3, 11, 32. दशार्ध° fünf Jahre alt 15, 30. वयो वर्षशतं येन प्राप्तमस्येदमष्टमम् Kathās. 41, 33. ऋष्ट्यानि च तीर्थानि या-वन्मे क्षमते वयः 93, 70. Bhāg. P. 5, 18, 13. 6, 7, 33. 9, 30. कया वृत्त्या व-र्तितं ते परं वयः 1, 6, 3. गतं च सकलं वयः Spr. 3604. निमेषमात्रमपि हि वयो गच्छन्न तिष्ठति 4470. तस्य यात्रास्वेव वयो यौया Rāga-Tar. 4, 131. तस्य ऽंशिकादिषु । स्थानेषु क्लोष्टमृगपारसिकस्य वयो ऽगमत् 6, 183. किं देव समतिक्रातमागच्छति पुनर्वयः Kathās. 40, 54. मन्दप्रज्ञस्य वयो मन्दायुषश्च वै । निद्रया क्रियते नक्तं दिवा च व्यर्थकर्मभिः Bhāg. P. 1, 16, 43, 8 (43, 10 Gorr.). वयोऽनुवृत्तम् Kām. Nitīs. 7, 35. वयसा ऽत्ते Hariy. 1748. यावद्ब्रह्मणो वयः Pāñāt. 2, 3, 32. fg. वयोऽवस्था Suçr. 1, 129, 10. Spr. 3931. Bhāg. P. 5, 24, 13. अतिगम्भीरवयसः कालस्य 24. वृद्धा ज्ञानेन वयसौत्रसा R. 2, 43, 13. विद्यावयोवृद्ध Hir. 19, 3. वयसाधिकः Bhāg. P. 7, 2, 37. वयसान्वितः *bejahrt* MBh. 1, 984. वयोवृत्तमन्वित *bei Jahren seiend* M. 8, 182. ताते तु वयसातीते *alt geworden* R. 2, 33, 12 (14 Gorr.). प्रभूत° *bejahrt* Spr. 1864. परिणतो बुद्ध्या वयसा च *reif an Jahren* R. 2, 43, 15. परिणत° adj. Pāñāt. 197, 18. परिणतं (impers.) वयसा Kathās. 103, 223. वयसः परिणामे Spr. 4966. वयःपरिणतिं प्राप्य Mār. P. 135, 7. नव Ju-*gend* Ragh. 2, 47, 6, 79. Spr. 1039. Bhāg. P. 3, 20, 32. 4, 27, 5. 8, 9, 2 (यवः *bei* BURN. Druckfehler). काल्य Vikr. 42. प्रथम P. 4, 1, 20. R. 1, 43, 40. Suçr. 2, 27, 16. Varāh. Brh. 8, 1. Pāñāt. 33, 16. पूर्व Lātj. 9, 4, 3. MBh. 3, 1304. Spr. 347, v. l. 4569. श्राय 347. Bhāg. P. 1, 6, 2. कैशोर 3, 28, 17. अल्प Suciāsh. 215. द्वितीय P. 4, 1, 20. Vārtt. Schol. Halāj. 2, 329. मध्यम Çat. Br. 11, 4, 2, 7. Kathās. 104, 20. मध्य MBh. 3, 1304. Varāh. Brh. 8, 1. प्रगल्भ Ku-*māras.* 1, 52. उत्तर Kātj. Çr. 4, 1, 13. उत्तम Çat. Br. 11, 4, 4, 5. fg. जयन्य MBh. 3, 1304. पश्चिम 5, 3062. Ragh. 19, 1. Hir. 28, 2. अचरम् P. 4, 1, 20, Vārtt. अल्प Varāh. Brh. 8, 1. अल्प Ragh. 9, 70, 18, 25. — Vgl. अभि°, उदयस्, नीचा°, पूर्व°, प्र°, बृहद्वयस्, मध्य°, वृद्ध°, स°.

1. वयसं m. = 1. वयस् Vogel TS. 3, 1, 44, 3. वायस RV.

2. वयस n. am Ende eines comp. = 3. वयस्; s. उत्तर°, पूर्व°, मध्यम° वयसिन् am Ende eines adj. comp. = 3. वयस्; s. पूर्व°, प्रथम°.

वयस्का am Ende eines adj. comp. = 3. वयस्. अभिनववयस्का *in der ersten Jugend stehend* Hir. 30, 1. Vgl. मध्यम°.

वयस्कृत° adj. *Kraft gebend, gesund —, jung erhaltend* RV. 1, 31, 10. 9, 69, 8. 10, 7, 7. VS. 3, 18. 13, 5.

वयस्य (von 3. वयस्) 1) adj. *in gleichem Alter stehend*; m. *Alttersge-
nosse, Freund* P. 4, 4, 91. AK. 2, 8, 1, 12. Trik. 2, 8, 25. H. 730. Halāj. 2,
273. MBh. 12, 5163. Hariy. 13639. R. 1, 12, 22. 2, 69, 3 (71, 3 Gorr.). 103,
47. 3, 20, 2. 72, 28. 73, 64. 69. Kathās. 32, 47. 33, 7. 36, 4. 39, 93. Bhāg.
P. 4, 13, 41. 6, 14, 56. 7, 3, 54. 9, 10, 45. Mār. P. 23, 22. als *Anrede* Hir.

27, 5. im Drama Sāh. D. 171, 12. 15. 19. Çāk. 22, 15. 81, 8. Vikr. 11, 15.
वयस्या f. *Alttersgenossin, Freundin, vertraute Dienerin* AK. 2, 6, 1, 12.
H. 329. Halāj. 2, 332. R. 3, 58, 38. Mār. 43, 16. Kathās. 10, 145. 18.
20. 367. 28, 98. 37, 101. 43, 243. 104, 49. Sāh. D. 60, 1. Verz. d. Oxf. H.
129, b, No. 234. am Ende eines adj. comp. f. श्री Kathās. 12, 62. — 2) f.
श्री (sc. इष्टका) Bez. von 19 Backsteinen beim Bau eines Feueraltars.
welche mit Sprüchen, die das Wort वयस् enthalten (vgl. VS. 14, 9), *ge-
legt werden*, P. 6, 4, 127. TS. 5, 3, 1, 3. Kātj. 20, 10. Çat. Br. 10, 4, 3, 15.
Kātj. Çr. 17, 8, 22.

वयस्यक m. *Alttersgenosse, Freund* Kathās. 10, 197. 47, 24. 64. 30, 201.
39, 92. 63, 86. 119, 47. 175.

वयस्यत्वं n. nom. abstr. von वयस्य *Alttersgenosse, Freund* MBh. 4, 2202.
R. 4, 4, 18.

वयस्यभात्र m. dass. R. 4, 6, 15.

वयस्वत् (von 3. वयस्) adj. *mit Kraft begabt, kräftig* RV. 2, 24, 15. 5.
54, 13. VS. 3, 18. Indra 7, 32.

वयःसंधि m. *Pubertät* Verz. d. Oxf. H. 123, a, 26; vgl. u. रोमाली.

वयःसम adj. *altersgleich* R. 7, 4, 29. 31.

वयःस्थ 1) adj. (f. श्री) *erwachsen, ausgewachsen*; = तरूणा, युवन् AK.
2, 6, 4, 42. Trik. 3, 3, 198. H. 339. Med. th. 22. fg. = मध्यवयस् H. an. 3.
320. पित्रा पुत्रो वयःस्थो ऽपि सततं वाच्य एव तु MBh. 1, 1728. 4, 2339.
Suçr. 1, 136, 17. अथ MBh. 2, 1885. गो R. 1, 53, 20 (34, 22 Gorr.). *be-
jahrt*: परिश्रान्तो वयःस्थश्च षष्टिवर्षो ऽरान्वितः MBh. 1, 1958. *kräftig*:
मांस Vāgbh. 6, 69. — 2) f. श्री a) *Alttersgenossin, Freundin* (vgl. वयस्या)
Med. — b) Bez. verschiedener Pflanzen: *Emblia officinalis Gaertn.* AK.
2, 4, 2, 38. Trik. H. an. Med. Ratnam. 90. = ब्राह्मी AK. 2, 4, 5, 3. Trik.
H. an. Med. = काकोली AK. 2, 4, 2, 9. Trik. H. an. Med. *Terminalia*
Chebula oder *citrina* AK. 2, 4, 2, 39. Med. *Cocculus cordifolius* DC. H.
an. Med. *Bombax heptaphyllum* H. an. = तीरकाकोली Bhāvapr. im
ÇKDr. = अत्यल्पपर्णी Rāgan. — Suçr. 2, 389, 10. 393, 5. 336, 9. 14. —
c) *kleine Kardamomen* H. an. Med.

वयःस्थान n. *Jugendfrische* Kām. Nitīs. 19, 7.

वयःस्थापन adj. *die Jugendfrische erhaltend* Suçr. 1, 2, 17. 173, 9. 180.
12. 182, 12.

1. वयौ f. *Zweig, Ast* RV. 6, 7, 6. वत्सौभंगानि वि यंति वृन्निनो न व्याः
13, 1. वृत्तस्य 24, 3. 37, 5. 2, 5, 4. 5, 1, 1. 8, 13, 6. 17. 10, 92, 3. 134, 6. Çāñk.
Gān. 1, 15. bildlich RV. 1, 59, 1. व्या इन्द्र्या भुवनान्यस्य 2, 33, 8. 8. 19.
33. *Zweig* so v. a. *Geschlecht, Sippe*: पश्यन्न्यस्या अतिविं व्यायाः
10, 124, 3.

2. वयौ f. so v. a. 2. वयस् एषा यंसीष्ट तन्वै व्याम् *kommt mit La-
bung — eine Stärkung für mich!* RV. 1, 163, 15. nach Sāh. = वयम् *wir*.
nach Mahton. = वयसाम् gen. pl.

वयाकिन् adj. nach Sāh. von वयाक, demin. von 1. वया, *verüstelt, sur-
culosus*: Soma RV. 5, 44, 5.

वयौवत् (von 2. वया) so v. a. वयस्वत्. व्यावर्त्तं स पुष्यति तयममे श-
तायुषम् RV. 6, 2, 5. Hierher ziehen wir auch 1, 3, wo वयावत्त्म् im
Text steht.

वयिष् adj. nach Durga zu Nir. 4, 15 so v. a. *Gewobenes, Gewänder*